ग्राम्या संस्थान

प्रगति प्रतिवेदन

(अप्रैल 2008 से मार्च 2009)

वार्षिक रिपोर्ट
अप्रैल 2008 से मार्च 2009

उत्तर प्रदेश के चन्दौली जनपद जिसकी जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 1,639,777 है। जिसमें शिक्षा का स्तर 63.09 प्रतिशत है। इस जनपद में 3 तहसील और 9 विकास खण्ड है। यह जनपद सरकार द्वारा घोषित नक्सल प्रभावित क्षेत्र है। जिसमें चकिया तहसील के 3 ब्लाक शाहबगंज, चकिया और नौगढ संवेदनशील ब्लाक माने जाते हैं। विशेषकर नौगढ़ अधिक संवेदनशील माना जाता है। सुविधाओं से वंचित, बिहार राज्य की सीमा से लगा हुआ जंगल क्षेत्र के मध्य में नौगढ़ विकास खण्ड है। नौगढ़ कैमूर पर्वत श्रृखलाओं के मध्य में बसा हुआ है। जंगल का क्षेत्र होने के कारण गाँव का क्षेत्रफल फैला हुआ है। नौगढ़ में 27 ग्राम पंचायतें है। इन 27 पंचायतों में 111 राजस्व गाँव है। कई पंचायत 5 किलोमीटर के घेरे से भी अधिक में हैं। नौगढ़ विकास खण्ड मुख्यालय से गाँव के लिए रास्ते या यातायात के साधन नहीं के बराबर हैं। सरकारी सुविधाएं नाम मात्र की है। सरकार का मापदण्ड है कि हर बच्चें के पहुँच तक स्कूल होगा लेकिन यहाँ यह सफेद हाथी बनकर रह गया है। नौगढ़ विकास खण्ड में कुल 83 प्राथमिक विद्यालय है। जो विद्यालय हैं भी वह भी सुचारु रुप से नहीं चलते हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं में नौगढ़ मुख्यालय पर एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र है तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बना है लेकिन वहा से अभी कोई सुविधा नहीं मिलती है इस भवन को बने हुए लगभग डेढ़ साल हो गया हैं। पूरे विकास खण्ड में 14 ए0एन0एम0 सेन्टर हैं लेकिन सभी ए0एन0एम0 सेन्टर के पास भवन नहीं है नौगढ़ सरकारी अस्पताल पर वर्तमान समय में कुल 14 ए0एन0एम0 तथा 2 एच0बी0 है 3 चिकित्सा अधिकारी की पोस्ट है लेकिन मात्र दो चिकित्सा प्रभारी आते हैं। सरकारी विभाग में अधिकाशं जगह खाली होने की वजह से कार्य की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

उद्देश्य–

- बच्चों की शिक्षा विशेषकर लड़कियों के प्रति आम जन मानस के बीच सोच विकसीत करना और बच्चों के समग्र विकास के लिए समुचित वातावरण का निर्माण करना।
- ग्रामीण जन समुदायों में खासकर महिलाओं के अन्दर चेतना विकसीत करके लोक संगठन की स्थापना एवं सशक्तीकरण करना।
- लोक संगठन के माध्यम से उनके अपने हालातों में सुधार हक एवं अधिकार को सुनिश्चित करना।
- केन्द्र व समुदाय के बीच गत्यात्मक सम्बन्ध बढ़ाना।

कार्यक्रम–

शिक्षा–

- 8 गाँव में शिक्षा केन्द्र का संचालन।
- 5 बाल पुस्तकालय का संचालन।
- बाल मेला।

स्वास्थ्य–

- सुरक्षित मातृत्व।

- टीकाकरण।
- स्वास्थ्य जागरुकता शिविर।

संगठन–

- मजदूर किसान मोर्चा को सशक्त करना।
- महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच का गठन।
- राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना।
- पी0 डी0 एस0 (सार्वजनिक वितरण प्रणाली)।
- सूचना का अधिकार।

शिक्षा केन्द्र–

ग्राम्या संस्थान विगत 1996 से नौगढ़ में शिक्षा केन्द्र चला रही है जिसमें नौगढ़ विकास खण्ड के 4 गाँव में प्राथमिक शिक्षा, एवं 2 गाँव में जूनियर स्तर तथा चकिया के 4 गाँवों में अनौपचारिक शिक्षा, पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्र आशा एंव गाँव के सहयोग से संचालित हो रहा है इस साल बच्चों की औसत उपस्थित निम्न रही–

गाँव का नाम	बालक	बालिका	योग
लालतापुर– • प्राइमरी	94	83	177
• जूनियर	23	24	47
झुमरियां जूनियर	46	61	107
अमदहॉ	37	23	60
बसौली	12	18	30
अल्लीपुर	15	18	33
सीतातली	18	13	31
गढ़वा	10	17	27
उसरा	17	11	28
योग	**272**	**268**	**540**

अभिभावक कमेटी का गठन व बैठकें–

सेन्टर के संचालन में मदद मिले इसके लिए प्रत्येक सेन्टर पर अभिभावक कमेटी का गठन किया गया इस कमेटी का गठन गाँव की सामूहिक बैठक में लोगों द्वारा तय किया गया जिसमें महिला पुरुष दोनो सदस्य के रुप में है यह कमेटी गाँव स्तर पर स्कूलों की निगरानी करती है और समय–समय पर मदद के साथ ही सुझाव भी देती है। कमेटी गठन के बाद बैठकें भी की गई जिसमें बच्चो के नामांकन, साफ–सफाई, बच्चों की उपस्थिति, सेन्टर मरम्मत तथा ग्रुप बटवारे को लेकर अभिभावकों के साथ चर्चा हुई।

इसके अलावा इन बैठकों में अनुदेशक भी अपनी बात को अभिभावकों के सामने रखते है। कुछ बच्चें ऐसे हैं जो नियमित स्कूल नहीं आते हैं जिसकी वजह से पूरा शिक्षण कार्य प्रभावित होता है। शिक्षकों की बातों को सुनने के बाद कमेटी के लोग जिम्मेदारी लिए कि जिन लोगों के बच्चें नहीं आते हैं उनके अभिभावकों से स्वयं मिलकर बात करेगें तथा स्कूल भेजने के लिए कहेंगे। बैठक में शामिल अभिभावकों को बताया गया कि जो बच्चे कमजोर हैं उनके लिए अतिरिक्त क्लास चलाए जाने की बात हुई।

बच्चों का नामांकन–

जुलाई माह में बच्चों के नए सत्र (कक्षा 6) में नामांकन हेतु शिक्षा कोर टीम द्वारा तय किया गया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए बच्चों का टेस्ट लिया जाएगा। जितने बच्चें आए थे उनका टेस्ट लिया गया जिसमें अधिक्तर बच्चे फेल हुए थे। फेल हुए बच्चों के नामांकन हेतु अभिभावकों का दबाव संस्था के लोगों पर आने लगा अभिभावकों का कहना था कि अगर इन बच्चों का नामांकन नहीं होगा तो ये बच्चें पढ़ने से वंचित हो जाएगें । अभिभावकों के दबाव को देखते हुए शिक्षा कोर टीम द्वारा तय किया गया कि इन बच्चों का नामांकन तो किया जाएगा लेकिन अभिभावकों को भी कुछ शर्त माननी पड़ेगी जैसे–

- बच्चों को प्रतिदिन स्कूल भेजना।
- अभिभावक का प्रत्येक बैठक में शामिल होना।
- बच्चों को अतिरिक्त क्लास के संचालन में भेजना।
- 3 साल में कक्षा 6 से 8 तक पास करने व प्रमाणपत्र देने की जिम्मेदारी संस्था की होगी।

इन शर्तो को अभिभावक बैठक में रखा गया जिसपर सभी अभिभावकों ने सहमति दी उसके बाद इन बच्चों का नामांकन जानकारी के आधार पर किया गया। बैठकों में शामिल अभिभावकों को बताया गया कि एक ही क्लास में कुछ बच्चें पढ़ने में काफी कमजोर है तथा कुछ बच्चें ठीक है जिनको एक साथ पढ़ाना कठिन है इस लिए ग्रुप में बाटकर पढ़ाना सही होगा अगर इन बच्चों को ग्रुप में बाटकर नहीं पढ़ाया गया तो इनकों जानकारी नहीं होगी जिस प्रकार से सरकारी स्कूलों में पढ़ाई होती है वैसे ही यहा हो जाएगा जो हम नहीं चाहते है ग्रुप में जिस प्रकार से बच्चों में जानकारी का स्तर बढ़ता जाएगा उनको अगले ग्रुप में डाल दिया जाएगा। अभिभावकों से सहमति मिलने के बाद जानकारी के आधार पर बच्चों का ग्रुप बाटा गया जिसमें कमजोर बच्चों को सामान्य जानकारी जोड़, घटाव, गुणा, भाग तथा हिन्दी में मात्रा एवं व्याकरण पढ़ाया गया। अन्य बच्चों को जानकारी के आधार पर किताबों का सहारा लेकर पढ़ाया गया। आवश्यकतानुसार महीनें में एक बार शिक्षकों द्वारा बच्चों को रुचिपूर्ण शिक्षा देने के लिए सहायक सामग्री का निर्माण किया गया है जिसमें स्वर, व्यंजन, गिनती, पहाड़ा कार्ड, अंग्रेजी बर्णमाला कार्ड आदि बनाया गया है जिसके माध्यम से बच्चों को शब्दों की पहचान करने में आसानी होती है एवं रुचि के साथ पढ़ते है।

शिक्षा कोर टीम–

प्रतिमाह ग्राम्या संस्थान के नौगढ़ कार्यालय पर शिक्षा कोर टीम की बैठकें की गई इन बैठकों में बच्चों का पूरा एक साल का पाठ्यक्रम तैयार किया गया। शिक्षा कोर टीम की बैठक में बच्चों के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने हेतु तय किया गया कि कक्षा के आधार पर नहीं बल्कि ग्रुप के आधार पर पढ़ाई होगी। ग्रुप बच्चों के जानकारी के आधार पर बनाया जाएगा उन बच्चों में जिस प्रकार से जानकारी का स्तर बढ़ता जाएगा उनको अगले ग्रुप में डाल दिया जाएगा। साथ ही यह भी तय किया गया कि प्रत्येक ग्रुप को एक माह में क्या पढ़ाया जाएगा उसको विषयवार सभी शिक्षक मिलकर तय किए। तय की गई बातों को अभिभावक बैठक में रखा गया तथा अभिभावकों से सहमति ली गई। साथ ही यह भी तय किया गया कि प्रतिमाह पढ़ाए गए पाठ्यक्रम के आधार पर बच्चों का टेस्ट लिया जाएगा।

शिक्षा कोर टीम द्वारा प्रत्येक तीसरे माह में सभी सेन्टरों का मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन के दौरान देखने का प्रयास किया गया कि शिक्षकों के द्वारा कापीयों के मूल्यांकन का तरीका क्या है, बनाई गई समय सारिणी के अनुसार पढ़ाई होती है कि नहीं तथा सेन्टरों के कागजी अभिलेख कैसे हैं आदि को देखने के बाद उपयुक्त सुझाव भी दिया गया।

शिक्षा कोर टीम की बैठक में बच्चों के अर्द्धवार्षिक परीक्षा हेतु तय किया गया कि पढ़ाए गए पाठ्यक्रम के आधार पर पेपर स्वयं बनाए जाएगें तथा बच्चों की परीक्षा ग्रुप के आधार पर ली जाएगी। इस प्रकार शिक्षा कोर टीम द्वारा सभी ग्रुप का पेपर बनाया गया साथ ही तय किया गया कि बच्चों के सही मूल्यांकन हेतु सभी शिक्षकों का परीक्षा के दौरान स्थानान्तरण भी किया जाएगा।

बच्चों की परीक्षा–

सत्र 2008–2009 का बच्चों का वार्षिक परीक्षा मई माह में कराया गया। परीक्षा पूर्व शिक्षा कोर टीम की बैठक हुई जिसमे तय किया गया कि पढ़ाए गए पाठ्यक्रम के आधार पर पेपर स्वयं बनाया जाएगा और इसी के आधार पर परीक्षा ली जाएगी। परीक्षा से एक दिन पूर्व सभी टीचरों के साथ बैठक हुई जिसमें सभी टीचरों को जिम्मेदारी के आधार पर कापी पेपर दिया गया। साथ ही तय किया गया कि परीक्षा समाप्त होने पर जिस शिक्षक की जिम्मेदारी जहाँ थी वह शिक्षक वही के कापी को चेक करेगा एवं पूरा परीक्षा परिणाम तैयार करेगा। सभी बच्चों का परीक्षा परिणाम 21 मई को अभिभावकों के समक्ष अंकपत्र वितरित किया गया।

कक्षा 5 एवं 8 में परीक्षा दिए बच्चों की संख्या–

	बालक	बालिका	योग
कक्षा 5	12	9	21
कक्षा 8	16	17	33

इस सत्र में 5वी एवं 8वी की परीक्षा जिन बच्चों ने दी थी उन सभी ने पास होकर आगे की कक्षाओं में नामांकन कराया है।बच्चों का अर्द्धवार्षिक परीक्षा 26 दिसम्बर से 1 जनवरी तक किया गया। परीक्षा से एक दिन पूर्व सभी टीचरों के साथ बैठक हुई जिसमें सभी टीचरों को जिम्मेदारी के आधार पर कापी पेपर दिया गया सभी शिक्षकों का स्थानान्तरण किया गया।

परीक्षा समाप्त होने पर जिस शिक्षक की जिम्मेदारी जहाँ थी वह शिक्षक वही के कापी को चेक किए एवं पूरा परीक्षा परिणाम तैयार किए। इसके बाद सभी बच्चों को अंक पत्र का वितरण किया गया अंक पत्र को बच्चों के माध्यम से अभिभावकों तक पहुँचाया गया।

राष्ट्रीय पर्व–

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस व गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में सेन्टर के अलावा अभिभावक व क्षेत्र के जनप्रतिनिधीयों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम के अन्तर्गत

सबसें पहले प्रभात फेरी निकाली गई इसके बाद झण्डा रोहण का कार्यक्रम कहीं पर अभिभावकों द्वारा तो कही पर जनप्रतिनिधियों द्वारा हुआ। तत्पश्चात बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत, कविता, नाटक व भाषण आदि प्रस्तुत किए गए। 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस, 2 अक्टूबर को गाँधी जयन्ती, 14 नवम्बर को बाल दिवस , रविदास जयन्ती, अम्बेडकर जयन्ती का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों द्वारा गीत, कविता, चुटकुले व नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए।

बाल सभा–बाल संसद–

बच्चों में खुलापन आए, शिक्षा में रोचकता आए, बोलने की क्षमता का विकास हो इसके लिए बाल सभा एवं बाल संसद का आयोजन प्रत्येक शनिवार को दोपहर 12 बजे के बाद किया जाता है। बाल सभा छोटे बच्चों में कराया जाता है जिसमें सभी बच्चों को कुछ बोलने, कहने का मौका दिया जाता है बाल सभा में बच्चे गीत, मुद्दे आधारित गीत, कविता, चुटकुला, कहानी के साथ ही साथ अन्ताक्षरी भी खेलते हैं साथ ही साथ बच्चों के मनपसंद खेल भी कराये जाते हैं। बाल संसद बड़े बच्चों में कराया जाता है जिसमें सबको शिक्षा एक सी शिक्षा, मिड डे मिल व राशन कार्ड, रोजगार गारन्टी योजना, जननी सुरक्षा योजना आदि विषयों पर दो ग्रुपो में बाँटकर चर्चा कराया जाता है। इस प्रक्रिया को करने से बच्चों में सामान्य जानकारी के साथ ही साथ बोलने की क्षमता का भी विकास हुआ है।

बाल मेला–

बच्चों के रचनात्मक विकास तथा उनके प्रतिभाओं में निखार हो इसके लिए बाल मेला का आयोजन 1–2 मार्च को चिराग केन्द्र लालतापुर में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सुबह 11 बजे बसौली पंचायत की प्रधान श्री मति प्रभावती जी द्वारा दीप जलाकर किया गया। बाल मेले का समापन क्षेत्र पंचायत सदस्य श्री विरेन्द्र सिंह जी द्वारा 10 बजे किया गया जिसमें इन्होने बच्चों को पुरस्कार वितरण किए।

गाँव	**शिक्षक**
लालतापुर	अमरेश, विजय, गनेश, मदन मोहन, त्रिभुवन
झुमरिया	हरिचरन, श्रीराम, बचाऊ
अमदहॉ	शिवमन्दिर, कौलेश्वर
बसौली	जयप्रकाश
अल्लीपुर	धर्मराज, बृजेश
सीताताली	प्रदीप
गढ़वा	सुरेश
उसरा	चन्द्रप्रकाश

स्वास्थ्य–

गतिविधि–

- राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन पर बैठक ।
- जननी सुरक्षा योजना पर बैठक ।
- राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी पर बैठक।
- स्वास्थ्य मंत्री से संवाद।
- महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की भूमिका।
- अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन।
- अब तो जागों! अभियान।

- युवाओं के साथ बैठक।
- युवा दिवस का आयोजन।
- रचनात्मक अभिव्यक्ति कार्यशाला।
- युवाओं के साथ दो दिवसीय कार्यशाला।

संस्था द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक होने के लिए प्रेरित किया गया साथ ही साथ अधिकारों के बारें में भी बताया गया। प्रतिमाह होने वाली बैठकों में लोगों को संस्थागत प्रसव करवाने पर बल दिया गया तथा बताया गया कि संस्थागत प्रसव करवाने पर जच्चा और बच्चा दोनो सुरक्षित रहेगें तथा उ0प्र0 में प्रतिवर्ष होने वाली 40.000 महिलाओं की मृत्यु में कमी आएगी साथ ही संस्थागत प्रसव करवाने पर सरकार के तरफ से 1400 रु0 प्रोत्साहन राशि के रु0 में मिलेगा जिससे जच्चा को खिलाने व पीलाने में सुविधा होगी। घर पर हुए प्रसव का सरकार के तरफ से 500 रु0 दिया जाएगा जिसे मातृत्व लाभ योजना कहा जाता हैं। यह 500 रु0 उन महिलाओं को मिलेगा जिनके पास लाल कार्ड, 2 बच्चा, व 19 साल से उपर की उम्र हो तथा नियमित टीकाकरण करवाई हो। चर्चा में आगे लोगों को समय–समय पर टीकाकरण करवाने के लिए प्रेरित किया गया तथा बताया गया कि अगर आपके बच्चें को टीका लगा रहेगा तो वह बीमारियों से लड़ सकता है और उसको कोई बीमारी नहीं पकड़ेगी।

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन को लेकर बैठक–

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन क्या है इसके अर्न्तगत कौन कौन सी योजना चलाई जा रही हैं इन चलाए जा रहे योजनाओं का लाभ समुदाय के कितने लोगों को मिला और कितने लोगों को नहीं मिला अगर नहीं मिला तो क्यों आदि बातों को जानने के बाद बैठक में शामिल लोगों को बताया गया कि जैसा कि आप लोग जानते है कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं तक खासकर गरीबों, महिलाओं, और बच्चों कि पहुच हो सके जिसके लिए सरकार राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का कार्यक्रम चला रही हैं इसी योजना के अन्तर्गत आप सबके गाँव में आशा का चयन किया गया है जो आप के गाँव में रहेगी तथा लोगों को स्वास्थ्य की सुविधा मुहैया करायेगी_जैसे–गर्भवती महिला का जाँच, गर्भवती महिला व बच्चों को समय–समय पर टीकाकरण, संस्था गत प्रसव करवाने के लिए प्रेरित करना, प्रतिमाह गाँव में स्वास्थ्य संबन्धित जानकारी देने हेतु बैटक करवाना आदि।

चर्चा में आगे लोगों को बताया गया कि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत आशा का चयन किया गया है सरकार ने जिस सोच के तहत गाँव–गाँव में आशा का चयन किया कि सभी गाँवों में आशा रहेगी तो लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी साथ ही प्रतिवर्ष हो रही 40.000 मौतो को

रोकने में सफलता मिलेगी लेकिन स्थिति आज भी वही की वही है। वर्तमान समय में देखा जाय तो आशा अपने कार्यो को भूलकर ए0एन0एम0 के साथ मिलकर पैसा कमाने मे लगी हुई है।

स्वास्थ्य मंत्री से संवाद–

जननी सुरक्षा योजना का लाभ अभी तक किसी को ठीक से नहीं मिल रहा है जिसके लिए प्रयास जारी है। 5 जुलाई 2008 को नौगढ़ की 3 महिलाएं स्वास्थ्य मंत्री श्री अन्नत कुमार मिश्रा से मिली और जननी सुरक्षा योजना तथा मातृत्व लाभ योजना का लाभ ठीक से नहीं मिलने की बात को कही। महिलाओं की बातों को सुनने के बाद स्वास्थ्य मंत्री चन्दौली के सी0एम0ओ0 से बात करके सबको जननी सुरक्षा योजना तथा मातृत्व लाभ योजना के सही वितरण के लिए कहे साथ ही यह भी बताए कि इस समय नौगढ़ की 3 महिलाए हमारे पास बैठी है और वह बता रही है कि नौगढ़ में जननी सुरक्षा योजना तथा मातृत्व लाभ योजना का सही वितरण नहीं हो रहा है। महिलाओं के स्वास्थ्य मंत्री से मिलने के बाद जननी सुरक्षा योजना का पैसा तो मिलने लगा लेकिन मातृत्व लाभ योजना के अर्न्तगत किसी को लाभ नहीं मिला है। मातृत्व लाभ योजना का वितरण सही ढंग से हो तथा पात्र लोगों को मिले इसके लिए महिलाओं का प्रयास जारी है।

अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस–

8 मार्च 2009 को अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन मझगाई प्राइमरी स्कूल पर प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी किया गया जिसमें 20 गाँव से लगभग 600 महिला, पुरुष व युवाओं ने भाग लिया। 8 मार्च का दिन क्यों और किस लिए मनाया जाता है इसके बारे में ग्राम्या संस्थान की सचिव बिन्दु जी द्वारा बताया गया। इसके बाद मझगाई की तेतरा बानों ने अपने संगठन महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच के कार्यो के बारे में बतायी कि जब से महिलाओं का संगठन बना है तब से सबको जननी सुरक्षा योजना का पैसा मिलने लगा है यह पैसा ऐसे ही नहीं मिला बल्कि इसके लिए बहुत लड़ाइया लड़ी गई तब जाकर मिल रहा है। तेतरा बानो ने अपने बातों के माध्यम से सबका आह्वान की कि अगर अपना हक अधिकार लेना है तो सबकों आगे आना होगा तभी मिलेगा कोई आसानी से हम महिलाओं का हक नहीं देगा उसे छीनना होगा तभी मिलेगा कहावतों में कहा जाता है कि जब तक बच्चा नहीं रोता है तब तक माता उसे अपना दूध नहीं पिलाती है। इस लिए अपने हक को लेने के लिए आगे आना होगा और यह इन्तजार मत करिए कि जब भूख लगेगी तब लड़ेगें नहीं उसके पहले ही अपना हक लेना होगा या छीनना होगा।

करवनिया से प्यारी ने अपने भाषण में कहा कि आज हम लोग अपना दिन मनाने के लिए इकठ्ठा हुए है लेकिन सबकों सोचना होगा कि हम महिलाओं का हक और अधिकार कैसे मिले। नौगढ़ में गरीबों के लिए बहुत सी योजना आती है जब तक गरीब जनता को पता चलता है तब तक बड़े लोग

उसको लेकर भारी हो जाते है और गरीब जनता देखती ही रह जाती है। पहले लोगों को अस्पताल पर बच्चा पैदा होने पर पैसा नहीं मिलता था अब एक सप्ताह के अन्दर या तुरन्त मिल जा रहा है। लेकिन घर पर हुए प्रसव के लिए भी योजना आई है कि 500 रु0 मिलेगा लेकिन वह नहीं मिल रहा है जिसके लिए लड़ाई जारी है। ए0एन0एम0 गाँव में नहीं जाती थी किसी–किसी गाँव के लोग तो ए0एन0एम0 को देखे भी नहीं थे उसके लिए हम महिलाओं का संगठन लड़ा जिसका परिणाम आज यह है कि ए0एन0एम0 गाँव में जाती है और टीकाकरण करती है।

इस प्रकार से देखा जाय तो महिलाओं का संगठन महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच समय–समय पर अपने हक व अधिकार के लिए लड़ाई लड़ रही हैं और लड़ती रहेगी।

आगे प्यारी जी ने बताया कि एक और कानून आया है वनाधिकार का। इस कानून के तहत गाँव की खुली बैठक करके इसमें समिति बनाना है लेकिन प्रधान लोग चोरी–चोरी नाम दे दिए हैं जो गलत है अब हम लोगों को उसके लिए लड़ना होगा तभी सही समिति बन पाएगी नहीं तो प्रधान व सेक्रेटरी ऐसे ही मनमाने ढंग से समिति बनाएगें इस लिए हम सभी महिला पुरुष को आगे आकर सही समिति बनवाना होगा क्योकि यह हम लोगों के रोजी–रोटी का सवाल है।

हम भारत की नारी है, फूल नहीं चिन्गारी है।
चुप नहीं रहना है, हिंसा नहीं सहना है।

अब तो जागों! अभियान–

25 नवम्बर 2008 को महिलाओं का घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम 2005 को आम जन मानस तक इसकी जानकारी देने, इस कानून के प्रचार प्रसार कराने तथा इसकी सही जानकारी पहुचाने के उद्देश्य से नौगढ़ बाजार में मोमबत्ती जुलुस निकाला गया जिसमें लगभग 200 युवाओं ने भाग लिया। यह मोमबत्ती जुलुस नौगढ़ वन रेंजरी से होकर पूरे नौगढ़ बाजार में लगभग 1 घंटे तक चला। इस 16 दिन के पखवाड़े में गाँव– गाँव में बैठक करना, पोस्टर लगाना, पर्चा वितरण आदि के द्वारा जानकारी देने का प्रयास किया गया।

परिवर्तन में युवा–

ग्राम्या संस्थान पिछले 2 साल से नौगढ़ में युवाओं के प्रजनन स्वास्थ्य व अधिकार को लेकर कार्य कर रही है। वर्तमान समय में कुल 188 युवा इस कार्यक्रम से जुड़े है। इन 2 सालो में युवाओं के साथ निम्न बातों पर चर्चा किया गया है–

- युवाओं के यौन प्रजनन स्वास्थ्य व अधिकार।
- प्रजनन स्वास्थ्य से क्या समझते है।
- आज के युवा की समस्या क्या है।
- पंचायत स्तर पर बनी समिति के बारे में चर्चा।
- सूचना के अधिकार के तहत डाले गए आवेदन पर चर्चा।

- वनाधिकार अधिनियम 2006 पर चर्चा।
- घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005 पर चर्चा।

युवाओं के साथ बैठकों में निकल के आए सुझाव–

पिछले 2 साल से युवाओं के स्वास्थ्य व अधिकार पर कार्य करने के बाद युवाओं के तरफ से निम्न सुझाव निकलकर आया है–

- नाटक के द्वारा समुदाय में जानकारी देगें जिससें समुदाय के साथ–साथ परिवार का सोच बदल सकता है।
- सभी युवा जिनको पंचायत समीति की जानकारी नहीं मिली है वो लोग अपने प्रधान से मिलकर पंचायत समीति के बारे में जानकारी मांगेगें।
- सूचना के अधिकार के तहत आवेदन डालकर जानकारी लेगें।
- अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस में सिर्फ महिलाए या लड़किया ही नही बल्कि इस साल लड़के भी भाग लेगें।
- वनाधिकार अधिनियम 2006 के बारे में लोगों को बताएगें।
- घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005 के बारे में लोगों को जानकारी देगें।

युवाओं के साथ हुई बैठकों में लिए गए निर्णय–

बैठकों में शामिल युवाओं ने कहा कि अगर हम किसी में परिवर्तन की बात करते है तो उससे पहले अपने में, अपने परिवार में तब समाज में परिवर्तन की बात कहेगें परिवर्तन होगा उसके लिए हम युवाओं को आगे आने की जरुरत है।

- सभी समूह प्रधान से मिलकर जानकारी लेगें।
- पंचायत सदस्यों से मिलकर उनके कार्यो के बारे में जानेगें कि

उनका क्या कार्य है, पंचायत सदस्यों के साथ बैठक करेगें।

- विद्यालय नियमित चले इसके लिए समुदाय के साथ मिलकर बात किया जाएगा। उनके द्वारा मिले सुझाव पर आगे हम युवा कदम उठाएगें।
- जो मॉ बाप करते आ रहे है उसे दोहराने से पहले हमारी पीढ़ी जानकारी होने के बाद कोई भी कदम उठाने से पहले सोचेगें बेटियों की शादी कम उम्र में नहीं करेगें उसे पढ़ाऐं जिससे उसको उसके कठिन जीवन में काम आ सके।

युवा दिवस–

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 12 जनवरी 2009 को नौगढ़ के भेड़ा फार्म में लगभग 250 युवाओं ने भाग लिया। इसके अलावा स्टेक होल्डरों में क्षेत्र के प्रधान, क्षेंत्र पंचायत सदस्य, पत्रकार, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर, आशा, शिक्षक, शिक्षामित्र, प्रधानाचार्य, अन्य संस्थाओं के अलावा महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की महिलाए समेत कुल लगभग 400 लोगों ने इस कार्यक्रम में भागीदारी किए। कार्यक्रम का संचालन युवाओं ने स्वंय किया। इस दिवस के दिन युवाओं द्वारा नुक्कड़ नाटक के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। जो स्टेकहोल्डर कार्यक्रम में शामिल हुए थे उन्होने अपने भाषण में कहा कि इस प्रकार का कार्यक्रम युवाओं के लिए नौगढ़ में पहली बार आयोजित की गई है जो सराहनीय है इससे युवाओं का मनोबल बढ़ेगा।

रचनात्मक अभिव्यक्ति कार्यशाला–

25 से 30 जून तक बसौली प्राइमरी स्कूल पर 6 दिवसीय रचनात्मक अभिव्यक्ति कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 60 युवाओं ने भाग लिया इस कार्यशाला में युवाओ को नाटक, पेटिंग व कठपुतली सीखया गया। नवम्बर माह में लखनऊ में 5 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन सहयोग संस्था द्वारा किया गया जिसमें ग्राम्या संस्थान से 10 युवाओं ने भाग लिया।

युवाओं के साथ दो दिवसीय कार्यशाला–

युवाओं के प्रजनन स्वास्थ्य व अधिकार को लेकर सितम्बर, नवम्बर व जनवरी माह में को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में निम्न बातों पर चर्चा किया गया–

- जेन्डर
- हिंसा

- लड़का लड़की में भेदभाव
- एड्स
- लड़का कैसे होता है लड़की कैसे होती है और दोष किसे दिया जाता है।

संगठन–

महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की भूमिका–

महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच का गठन हुए 3 साल हो गया है वर्तमान समय में इस संगठन में कुल 725 महिलाए सदस्य हैं जिसमें से 40 महिलाएं लीडर की भूमिका मे है जिनकी बैठक प्रतिमाह ग्राम्या संस्थान के कार्यालय नौगढ़ में होती हैं जिसमें महिलाएं अपने क्षेत्रीय मुद्दों पर बात विचार करती है और उसके लिए कदम भी उठाती है। लीडरों के साथ जो बात होती है महिलाएं अपने–अपने गाँव में जाकर बैठक करती है तथा उस बैठक में कार्यालय पर हुई बातों को बताती है। महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की महिलाएं मिड डे मिल से लेकर स्वास्थ्य व रोजगार गारन्टी पर निगरानी भी रखती हैं। महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की महिलाए एक जुट होकर अपने हक और अधिकार के लिए आवाज उठाती हैं।

सूचना का अधिकार के तहत आवेदन–

सूचना के अधिकार के तहत महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच से कुछ महिलाओं ने पी0एच0सी0 नौगढ़ की जानकारी लेने के लिए आवेदन की उनके द्वारा किये गये आवेदन को डाक्टर नहीं लिए तो महिलाओं ने प्रथम व द्वितीय अपील की है लेकिन दो माह से ज्यादा हो गया अभी तक कोई जबाब नहीं आया है ।

युवाओं को जब सूचना के अधिकार कानून के बारे में जानकारी मिली तो 10 गाँव के युवाओं ने ऐसा महसूस किया कि किसी भी विषय में जानकारी लेना उनका अधिकार है और उनको भी जानने का हक है। युवाओं ने सबसें पहले जानकारी अपने प्रधान से पंचायत के बारे में लिए कि–

- पंचायत में कितनी समिति है।
- प्रत्येक समिति में कौन–कौन सदस्य है।
- इन समितियों की कब–कब बैठकें होती है।

युवाओं द्वारा मांगी गई जानकारी को सभी पंचायत के तो नही लेकिन कुछ पंचायत के लोग दिए। पंचायत से जानकारी मिलने के बाद युवाओं ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाने हेतु सूचना के अधिकार के तहत बेसिक शिक्षा अधिकारी के यहा आवेदन करके जानकारी मांगने का प्रयास किया है कि–

- नौगढ़ ब्लाक में कितने प्राथमिक विद्यालय है तथा कितने पूर्व माध्यमिक विद्यालय है।
- नौगढ़ ब्लाक मे कितने अध्यापक है।
- एक अध्यापक पर कितना बच्चा पढ़ाने के लिए होना चाहिए।
- नौगढ़ ब्लाक में कुल कितने शिक्षा मित्रों की नियुक्ति है आदि

लेकिन युवाओं द्वारा मांगी गई जानकारी का अभी तक कोई जबाब नहीं आया है। जिससे युवाओं के अन्दर कुछ निराशा हुई है कि अगर यह कानून जनता के लिए बना है तो जनता को उसका जबाब क्यों नहीं मिलता है।

गाँव में बैठक–

क्षेत्रीय संगठन **मजदूर किसान मोर्चा** व राज्य स्तरीय संगठन **उ0प्र0 ग्रामीण एवं खेतिहर मजदूर यूनियन लखनऊ** जिला इकाई चन्दौली के तहत बैठके की गई जिसमें जाब कार्ड, राशन कार्ड, मीड डे मिल, छात्र वृत्रि वितरण, वनाधिकार अधिनियम 2006 आदि ज्वलन्त समस्याओं पर चर्चा व विचार

किया गया। समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारगत नजरिए से आवाज लगाने हेतु जागरुक किया गया। संस्था के कार्यक्षेत्र के 10 पंचायत में जाब कार्ड, राशन कार्ड व वनाधिकार अधिनियम 2006 के कानून के बारे में बैठक करके बताया गया तथा आगे आकर अपने हक व अधिकार को लेने के लिए प्रेरित किया गया। समुदाय के साथ बार–बार बैठक करने व जानकारी देने का नतीजा है कि नौगढ़ के 27 पंचायत में से 6 पंचायत में सही समिति बनी है बाकी 21 पंचायतों में समिति के गठन को लेकर लड़ीई जारी है।

महिला लीडरों के साथ बैठक–

ग्राम्या संस्थान के नौगढ़ कार्यालय पर प्रतिमाह महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की लीडर महिलाओं के साथ बैठक किया जाता है। इस मंच में 14 गाँव से 40 महिला लीडर है जो प्रतिमाह होने वाली बैठकों में शामिल होती है। इस बैठक में महिलाएं गाँव से लेकर ब्लाक तक की समस्या पर चर्चा करती है तथा ठोस कदम उठाने का निर्णय लेती है। बैठक में निम्न बातों पर चर्चा किया गया–

- जननी सुरक्षा योजना।
- रोजगार गारन्टी योजना।
- वनाधिकार अधिनियम 2006।
- अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस पर चर्चा।
- सूचना के अधिकार के तहत डाले गए आवेदन पर चर्चा।

बैठक में शामिल महिला लीडरों से जननी सुरक्षा योजना तथा मातृत्व लाभ योजना पर चर्चा किया गया जिस पर महिलाओं ने बताया कि पहले महीनों–महीनों जननी सुरक्षा योजना का पैसा नहीं मिलता था लेकिन अब एक सप्ताह के अन्दर या तुरन्त ही मिल जा रहा है। चर्चा में महिलाओं को बताया गया कि यह आप लोगों के मेहनत का फल है। चर्चा में आगे महिलाओं ने कहा कि जननी सुरक्षा योजना का पैसा तो मिलने लगा है लेकिन मातृत्व लाभ योजना का पैसा अभी भी नहीं मिल रहा है जिस पर प्यारी देवी बोली कि जिस तरह से जननी सुरक्षा योजना के लिए लड़ाई लड़ी गई उसी तरह से मातृत्व लाभ योजना के लिए भी लड़ने की जरुरत है अगर इसके लिए चन्दौली चलना होगा तो सबको इकठ्ठा होकर चन्दा लगाकर चलना होगा तभी कुछ होगा। भगेलपुर की रामरती बताई की हमने एक दिन स्वास्थ्य मंत्री के यहा फोन करके मातृत्व लाभ योजना नहीं मिलने की बात की जो कोई भी फोन उटाया हो उन्होने आश्वासन दिया कि वह भी पैसा मिलेगा। मंत्री के यहा से आश्वासन मिल गया है लेकिन हम लोगों को को कोई कदम उठाना चाहिए तभी पैसा मिलेगा अन्यथा नहीं मिलने वाला रामरती की बातों का सभी महिलाओं ने सर्मथन किया।

रोजगार गारन्टी योजना–

रोजगार गारन्टी पर चर्चा के दौरान महिलाओं ने कहा कि जून माह में डुमरिया, झुमरिया, अमदहां, व भगेलपुर गांव से 106 लोगों ने काम के लिए आवेदन किया है अब जाकर काम लगा है लेकिन यह काम कुछ गाँवों में ही लगा है। बैठक में चर्चा के दौरान महिलाओं ने बताया कि किसी पंचायत में खन्ता पर काम मिल रहा है तो किसी पंचायत में डेली पर काम मिल रहा है। प्रधान द्वारा शून्य पर बैंक में खाता खोलवाया जा रहा है खाता खुलने के बाद प्रधान पासबुक मांग रहे है लेकिन हम लोगों ने नहीं दिया है और प्रधान से कहा गया है कि अपने खाता से पैसा स्वय हम लोग निकालेगी। लेकिन कुछ लोगों ने प्रधान को अपना पास बुक दे दिए है। नौगढ़ में अधिकांश लोगों का बैक में खाता खुल गया है लेकिन पास बुक प्रधान के पास है।

वनाधिकार अधिनियम 2006–

वनाधिकार अधिनियम 2006 लागू किया गया लेकिन चन्दौली जिले में जिला प्रशासन द्वारा अमल में नहीं लाया जा रहा है। इस कानून के तहत 13 दिसम्बर 2005 के पहले जो लोग जिस जमीन पर काबिज है उस जमीन पर मालिकाना हक देने का प्रावधान है। चन्दौली जिले में समिति का गठन गलत ढंग से हुआ है उसका विरोध करने के लिए चन्दौली जिला मुख्यालय पर 18 फरवरी को उ0प्र0 ग्रामीण एवं खेतिहर मजदूर युनियन, मजदूर किसान मोर्चा के बैनर तले धरना किया गया जिसमें हजारों महिला पुरुष भाग लिए। घरना की जानकारी डी0एम0 को पहले से थी इस लिए वह कार्यालय से गायब मिले जिलाधिकारी के अनूपस्थिति में एस0डी0एम0 को मांगपत्र सौपा गया। उस धरने के बाद जिलाधिकारी द्वारा कोई कदम नहीं उठाए जाने पर फिर 18 मार्च को विकास खण्ड नौगढ़ के ब्लाक परिसर में उ0प्र0 ग्रामीण एवं खेतिहर मजदूर युनियन, मजदूर किसान मोर्चा के बैनर तले धरना किया गया जिसमें हजारों महिला पुरुष भाग लिए। ब्लाक पर धरने की जानकारी बी0डी0ओ0 को दी गई थी लेकिन धरने के दिन बी0डी0ओ0 भी गायब हो गए। धरने में शामिल लोगों ने कहा है कि अगर 15 दिनके अन्दर सभी पंचायतों में सही समिति नहीं बनी तो जनता खुद खुली बैठक करेगी उसमें प्रधान व सेक्रेटरी को बुलाएगी आएगें तो ठीक है नहीं आएगें तो समुदाय समिति का गठन करके डी0एम0, प्रधान व मुख्य सचिव को लखनउ भेजेगी और वही समीति गाँव में काम करेगी उसी के पास लोग दावा का फार्म भरकर जमा करेंगे।

धरने का असर यह रहा कि नौगढ़ के 27 पंचायतों में से 6 पंचायत में सही समीति का गठन प्रधान द्वारा खुली बैठक में किया गया और सही सदस्यों का चयन किया गया।

बी0पी0एल0 परिवार के सर्वे को लेकर बैठक–

शासन द्वारा यह महसूस किया गया कि जो लाल कार्ड दिए गए है वह पात्र व्यक्तियों के पास नहीं है इस लिए पुनः सर्वे करके पात्र व्यक्ति को लाल कार्ड दिया जाए। जिसकी जानकारी गाँव की बैठक में समुदाय के लोगों को दी गई जिससे लोग पंचायत के खुली बैठक में सिरकत किए तथा प्रधान व सेक्रेटरी से सही सूची की मांग किए। सूची आने पर सार्वजनिक स्थल पर पात्र व्यक्तियों कि सूची चस्पा कर दी गई।

1 मई मजदूर दिवस–

मजदूर किसान मोर्चा व उ0प्र0 ग्रामीण एवं खेतिहर मजदूर यूनियन लखनऊ जिला ईकाई चन्दौली के तत्वाधान में ग्राम तेन्दुआ डा0 भीम राव अम्बेडकर स्मारक के पास मजदूर दिवस मनाया गया जिसमें 150 महिला व पुरुष शामिल हुए। मजदूर दिवस क्यों मनाया जाता है इस पर चर्चा किया गया इसके

अलावा नरेगा पर चर्चा किया गया कि इस योजना का सही लाभ किसी को नहीं मिल रहा है इसके लिए क्या किया जाय जिसपर लोगों ने कहा कि इसके लिए प्रधान से बात करने की जरुरत है अगर प्रधान नहीं सुनते है तो बी0डी0ओ0 से मिलकर काम तथा किए गए कार्यो के भुगतान हेतु बात किया जाएगा। इसके अलावा छात्रवृति, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, पेयजल आदि पर मांगपत्र बनाया गया जिसे पढ़कर बैठक में शामिल लोगों को सुनाया गया। सबकी सहमति के बाद जिलाधिकारी चन्दौली को भेजा गया।

नुक्कड़ नाटक–

नौगढ़ ब्लाक के 10 पंचायत में प्रेरणा कला मंच के कलाकारों द्वारा ग्राम्या संस्थान के तत्वाधान में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नाटक के माध्यम से लोगों को पंचायती राज व्यवस्था, अशिक्षा, अंधविश्वास आदि मुद्दों पर नाटक दिखाकर जागरुक करने का प्रयास किया गया जिसका परिणाम है कि वर्तमान समय में गॉव में खुली बैठके होने लगी है, काम के लिए दिए गए आवेदन को प्रधान स्वीकार कर रहे है लोगों को काम भी मिल रहा है।

✸✸✸✸✸✸✸